इकाई 2

बाह्य रोगी देखभाल के लिए जनरल ड्यूटी सहायक की भूमिका

परिचय

नियमित स्वास्थ्य जांच के लिए एक समुदाय के सदस्यों को चिकित्सा पेशेवरों द्वारा प्रदान की जाने वाली चिकित्सा सेवाएं 'बाह्य रोगी' जांच है। ये ऐसी सेवाएं हैं जिनके लिए किसी रोगी को अस्पताल में रहने की आवश्यकता नहीं होती है। बाह्य रोगी सेवाओं में शामिल प्रक्रियाओं में फ्रंट ऑफिस का प्रबंधन, दस्तावेज बनाना, रोगी को संबंधित विशेषज्ञ को निर्देशित करना, प्रयोगशाला जांच के लिए मार्गदर्शन करना, परीक्षा में सहायता करना, दवाओं का वितरण और फॉलो अप कार्रवाई शामिल है। एक जनरल ड्यूटी सहायक अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र और रोगी के बीच संपर्क का काम करता है। आम तौर पर, शारीरिक या मानसिक रोगों, नैदानिक प्रक्रियाओं, पुनर्वास देखभाल, आदि से संबंधित सेवाओं का उपचार आउट पेशेंट विभाग में किया जाता है, जबकि, एक विशेषज्ञ चिकित्सक द्वारा विस्तृत जांच आदि की आवश्यकता वाले मामलों को रोगी की देखभाल के लिए सिफारिश की जाती है।

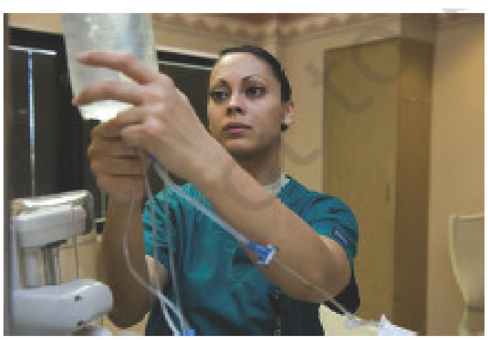

चित्र 2.1 एक अस्पताल में काम पर एक जनरल डयटी सहायक

अस्पताल या क्लिनिक में काम करने के दौरान जीडीए को फ्रंट ऑफिस का भी प्रबंधन करना पड़ सकता है। इसके लिए प्रभावी संचार और प्रबंधन कौशल की आवश्यकता होती है क्योंकि अस्पताल या क्लिनिक में कई स्थितियों में तुरंत और सटीक निर्णय लेने की क्षमता की आवश्यकता होती है। इस इकाई में अस्पताल के मेडिकल रिसेप्शन को संभालने और आपातकालीन कॉल का जवाब देने के लिए आवश्यक कौशल का वर्णन किया गया है। इन सभी स्थितियों में, स्पष्ट संचार सबसे प्रभावी उपकरण है, अन्यथा इससे जीडीए, रोगी और उसके रिश्तेदारों में भ्रम और तनाव पैदा हो सकता है।

टिप्पणी

निम्नलिखित सत्रों में फ्रंट डेस्क पर नियुक्तियों के प्रबंधन के लिए आवश्यक कौशल पर प्रकाश डाला गया है, जिसमें रोगियों के कॉल का जवाब देना, एम्बुलेंस सेवा की व्यवस्था करना, रोगी के महत्वपूर्ण संकेतों (शरीर के तापमान, नाड़ी, श्वसन और रक्तचाप) की पहचान करना, उसकी शारीरिक जांच में सहायता करना आदि शामिल हैं।

सत्र 1 : मेडिकल रिसेप्शनिस्ट की भूमिका और कार्य (Role and Functions of Medical Receptionist)

इस सत्र में, आप एक मेडिकल रिसेप्शनिस्ट की भूमिका और कार्यों के बारे में जानेंगे।

मेडिकल रिसेप्शनिस्ट के रूप में सेवा देने के लिए सामान्य ड्यूटी सहायक की आवश्यकता हो सकती है। इसलिए, उसे चिकित्सा शब्दावली, सॉफ्टवेयर के अनुप्रयोग और कार्यालय प्रक्रियाओं में प्रशिक्षित होना चाहिए। रिसेप्शन, आम तौर पर, एक अस्पताल के प्रवेश द्वार के पास स्थित है। रिसेप्शनिस्ट का काम आंगतुक द्वारा पूछताछ (विजिटर इंक्वायरी), जन संपर्क अधिकारी (पीआरओ) के आगंतुकों को सीधे संभालना और दूसरे अस्पतालों के साथ समन्वय करना है।

एक अस्पताल के रिसेप्शन पर आम तौर पर, चौबीस घंटे कार्य किया जाता है। अस्पतालों में, जहां रात के दौरान रिसेप्शन काम नहीं करता है, रोगियों और उनके रिश्तेदारों की मदद करने के लिए एक वैकल्पिक व्यवस्था की जाती है। रिसेप्शन क्षेत्र का आकार और इसके द्वारा दी जाने वाली सुविधाएं अस्पताल के आकार और आगंतुकों और रोगियों की संख्या पर निर्भर करती हैं।

रिसेप्शन काउंटर की भौतिक व्यवस्था (Physical set up of reception counter)

एक रिसेप्शन काउंटर में निम्नलिखित शामिल होते हैं :

- रिसेप्शन डेस्क
- पंजीकरण काउंटर
- रिकॉर्ड रूम
- प्रकाश प्रणाली
- टेलीफोन
- प्रतीक्षा क्षेत्र
- सार्वजनिक उपयोगिता सेवा

टिप्पणी

- सूचना कियोस्क
- घड़ी प्रणाली
- साइनेज सिस्टम
- बधिर और मूक सहित शारीरिक रूप से विकलांगों के लिए सुविधाएं
- बैठने की सुविधा

रिसेप्शनिस्ट की भूमिका और कार्य (Role and functions of receptionists)

एक मेडिकल रिसेप्शनिस्ट रोगियों, आगंतुकों, डॉक्टरों और कर्मचारियों के सदस्यों के लिए संपर्क का पहला बिंदु है। डॉक्टर, नर्स और अन्य चिकित्सा और प्रशासनिक कर्मचारी रिसेप्शनिस्ट पर निर्भर करते हैं कि वे रोगियों के लिए एक अनुकूल, स्वागत योग्य और सुव्यवस्थित फ्रंट ऑफिस बनाएं और सुविधा के माध्यम से उनके प्रवाह को सुविधाजनक बनाएं। एक रिसेप्शनिस्ट को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता होती है कि किसी रोगी के परिवार के सदस्यों द्वारा कागजी कार्रवाई को समय पर पूरा किया जाता है। वे रोगी के नोट भी जमा कर सकते हैं और यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि ये रिकॉर्ड संबंधित स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर के पास जाएं। एक क्लिनिक में, वह नियुक्तियों और रोगी परिवहन की व्यवस्था कर सकता है। एक अस्पताल रिसेप्शनिस्ट रोगी को बाह्य रोगी विभाग के समय, जांच, रिपोर्ट, विभागों के स्थान आदि के बारे में जानकारी देने में मदद करता है। मेडिकल रिसेप्शनिस्ट अपने स्वयं के या एक या दो अन्य रिसेप्शनिस्टों के साथ काम करते हैं। उन्हें भीड़ का प्रबंधन करना होगा।

एक रिसेप्शनिस्ट की योग्यता (Qualities of a receptionist)

मेडिकल रिसेप्शनिस्ट के पास जो ज्ञान, कौशल, क्षमताएं और गुण हैं उनमें निम्नलिखित शामिल होने चाहिए :

- एक अस्पताल के विभागों और वर्गों का ज्ञान
- ग्राहक का अभिवादन करना
- बैठकों की व्यवस्था करना
- फोन कॉल का उत्तर देना और अग्रेषित करना
- डाक के पत्रों आदि को छाँटना और वितरित करना
- एक संगठित और कुशल तरीके से जानकारी की रिकॉर्डिंग
- संचार कौशल
- विनम्रता और दक्षता
- दयालुता

प्रायोगिक अभ्यास

नजदीकी अस्पताल में जाएं और स्वागत क्षेत्र में गतिविधियों का निरीक्षण करें। इसके अलावा, एक रिसेप्शनिस्ट द्वारा किए जा रहे कार्यों पर ध्यान दें। अपनी टिप्पणियों पर एक नोट तैयार करें।

अपनी प्रगति जांचें

क. रिक्त स्थान भरें

1. .... रोगियों, आगंतुकों, डॉक्टरों और कर्मचारियों के सदस्यों के लिए संपर्क का पहला बिंदु है।
2. कोई भी दो गुण जो एक रिसेप्शनिस्ट में होने चाहिए .... और .... हैं।

ख. बहु वैकल्पिक प्रश्न

1. एक क्लिनिक के रिसेप्शन काउंटर पर, कुछ रोगियों को आबंटित समय के बारे में कुछ भ्रम है। एक रिसेप्शनिस्ट के किन कौशलों और क्षमताओं से लोगों के भ्रम को कम करने में मदद मिलेगी?
   (क) संचार कौशल
   (ख) विनम्रता
   (ग) संगठनात्मकता
   (घ) उपरोक्त सभी
2. रिसेप्शनिस्ट क कार्य से संबंधित काउंटरों की पहचान करें
   (क) पंजीकरण काउंटर
   (ख) प्रतीक्षा क्षेत्र
   (ग) रिकॉर्ड रूम
   (घ) उपरोक्त सभी

ग. लघु उत्तर प्रश्न

1. अस्पताल का रिसेप्शन, आम तौर पर कहां स्थित होता है?
2. अस्पताल के रिसेप्शनिस्ट के गुण क्या हैं?
3. मेडिकल रिसेप्शनिस्ट द्वारा क्या कार्य किए जाते हैं?

सत्र 2 : रोगियों में महत्वपूर्ण लक्षणों की पहचान करना (Identifying Vital Signs in Patients)

महत्वपूर्ण संकेत शरीर के सबसे मूल कार्यों को दर्शाते हैं। इससे किसी व्यक्ति के शारीरिक और मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य के बारे में जानकारी मिलती है। इस सत्र में, आप विभिन्न महत्वपूर्ण संकेतों और उन्हें पहचानने के तरीके के बारे में

जानेंगे। शरीर का तापमान, नाड़ी, श्वसन और रक्तचाप जीवन के चार महत्वपूर्ण लक्षण हैं।

शरीर के कार्यों का मूल्यांकन करने से एक जीडीए को जीवन के लिए विशिष्ट खतरे की स्थिति और योजना के हस्तक्षेप की पहचान करने की सुविधा मिलती है। इससे रोगी की स्वास्थ्य स्थिति में बदलाव का पता लगाने में उसकी मदद की जाती है। एक स्वस्थ व्यक्ति में महत्वपूर्ण संकेत एक निश्चित सीमा में रहता है। ये संकेतक मानव शरीर में चिकित्सा समस्याओं का पता लगाने या निगरानी करने में उपयोगी हैं। इसे कहीं भी मापा जा सकता है, उदाहरण के लिए, चिकित्सा व्यवस्था में, घर पर, चिकित्सा आपातकाल की साइट पर, यात्रा करते समय, आदि।

चित्र 2.2 नैदानिक थर्मामीटर

तापमान (Temperature)

मानव शरीर का तापमान, सामान्य परिस्थितियों में, जिसे 'नोर्मोथर्मिया' या 'यूथर्मिया' कहा जाता है, शरीर की स्थिति पर निर्भर करता है, जिस पर माप लिया जाता है या उस दिन का समय जिस पर इसे लिया जाता है, या उसके द्वारा की जाने वाली गतिविधि उस समय एक व्यक्ति शरीर का तापमान शरीर के गुहा के अंदर भिन्न होता है। उदाहरण के लिए, गुदा और योनि के तापमान का माप मुंह के माप से थोड़े अधिक पाए जाते हैं, और मुंह का तापमान त्वचा के तापमान से कुछ अधिक होता है। आगे समझाने के लिए, व्यापक रूप से स्वीकृत औसत आंतरिक शरीर का तापमान 37 डिग्री सेल्सियस (98.6 डिग्री फेरनहाइट) है, जबकि मौखिक (जीभ के नीचे) माप 36.8 डिग्री सेल्सियस ± 0.4 डिग्री सेल्सियस (98.6 डिग्री ± 0.7 डिग्री फेरनहाइट) है। ये संख्या औसत सामान्य तापमान का प्रतिनिधित्व करती है जो व्यक्ति–से–व्यक्ति से भिन्न होती है।

तापमान लेने की तैयारी (Preparations for taking temperature)

- अपने हाथों को साफ करें या धोएं।
- माप लेने के लिए उपयुक्त उपकरण का चयन करें।
- एक रोगी को अपना परिचय दें और उसके लिए प्रक्रिया का वर्णन करें। उसकी शंकाओं को स्पष्ट करें, यदि कोई हो।
- ग्लास थर्मामीटर में पारे का स्तर 96 डिग्री फेरनहाइट से नीचे तक कम करें या इलेक्ट्रॉनिक थर्मामीटर के पावर बटन पर स्विच करें।

मौखिक तापमान लेना (Taking oral temperature)

रोगी के मुंह के अंदर जीभ के नीचे थर्मामीटर की नोक रखें।

- इसे वहां 3–5 मिनट के लिए रखें।
- थर्मामीटर को बाहर निकालें और रीडिंग को सटीक रूप से पढ़ने के लिए इसे साफ करने के लिए टिशू पेपर से पोंछ लें।

- तापमान को धीरे–धीरे घुमाकर पढ़ना देखें। इससे आपको रासायनिक स्तर को देखने में मदद मिलती है। अब, डिग्री के निकटतम दसवें तक पढ़ें या इलेक्ट्रॉनिक थर्मामीटर पर डिजिटल डिस्प्ले देखें।
- रीडिंग रिकॉर्ड करें।

चित्र 2.3 मौखिक तापमान लेना

मलाशय का तापमान लेना (Taking rectal temperature)

- रोगी को ऊपरी घुटने के साथ सिम की स्थिति में रखा जाता है। केवल गुदा (एनल) हिस्से को खोलने के लिए रोगी को कवर करें।
- दस्ताने पहनें।
- थर्मामीटर तैयार करें और पानी या वैसलीन के साथ इसकी नोक चिकनी करें।
- प्रमुख हाथ का उपयोग करके थर्मामीटर को पकड़ें और गुदा को सामने खोलने के लिए नितंबों को अलग करें।
- रोगी को सांस लेने के लिए कहा जाता है। थर्मामीटर या प्रोब धीरे से गुदा में डालें (शिशु आधा इंच, वयस्क डेढ़ इंच)। प्रक्रिया को जारी रखें, यदि कोई प्रतिरोध नहीं है, तो 1 मिनट के लिए इसे पकड़कर रखें।
- एक टिशू पेपर के साथ ग्लास थर्मामीटर पर स्राव पोंछें और इसे फेंक दें। तापमान को नोट करें और रीडिंग को नोट करें।

ब्गल का तापमान लेना (Taking auxiliary temperature)

- रोगी के शरीर में बाजू (जैसे, बगल के नीचे का क्षेत्र) तक पहुंच प्राप्त करने की अनुमति लें। गाउन को कंधे के एक तरफ से हटा दें। बाजू वाले हिस्से को सुखाने के लिए इसको पोंछ लें।
- थर्मामीटर या प्रोब को एक्सिला के बीच में रखें। रोगी की बांह को सीधा रखें और बांह वाले भाग को रोगी की छाती पर रखें।
- थर्मामीटर जगह में होना चाहिए, आम तौर पर 5 मिनट के लिए या जब तक सिग्नल या बीप ध्वनि नहीं सुनाई देती है।
- इसे निकालें और अंशांकन को सटीक रूप से पढ़ें।

निष्कर्ष (Conclusion)

- मैनुअल थर्मामीटर के मामले में, इसे नीचे की तरफ हिलाएं और साबुन के ठंडे पानी या एल्कोहल से साफ करें। इसे घुमा कर पोंछें।

- डिजिटल थर्मामीटर के मामले में, पावर बटन को दबाएं और थर्मामीटर पर डिस्पोजेबल कवर को हटा दें।
- तापमान रिकॉर्ड करें।
- रोगी को एक आरामदायक स्थिति में सहायता करें।
- उचित रूप से थर्मामीटर रखें।
- अपने हाथ धोएं।

चित्र 2.4 एक रोगी की नब्ज पढ़ना

नाड़ी (पल्स) (**Pulse**)

नाड़ी की दर हृदय की दर या हृदय की धड़कन प्रति मिनट कितनी बार धड़क रही है, इसका संकेत देती है। हृदय से रक्त के प्रवाह के साथ धमनियों का विस्तार और सिकुड़ना होता है। पल्स बीट न केवल हृदय की धड़कन बल्कि हृदय की ताल और नाड़ी की ताकत को भी इंगित करता है।

एक स्वस्थ वयस्क के लिए औसत नाड़ी 60 से 80 बीट प्रति मिनट तक होती है। व्यायाम, बीमारी, चोट और भावनाओं के साथ नाड़ी की दर में भी उतार–चढ़ाव हो सकता है।

धमनियों के माध्यम से रक्त के प्रवाह को धमनियों पर दृढ़ता से दबाकर महसूस किया जा सकता है, जो शरीर के कुछ हिस्सों में त्वचा की सतह के करीब स्थित हैं। नाड़ी को गर्दन के नीचे, कोहनी के अंदर या कलाई पर महसूस किया जा सकता है। कलाई पर पल्स देखना सबसे आसान होता है। गर्दन के निचले हिस्से पर पल्स लेते समय, एक जीडीए रोगी की गर्दन के कपड़े हटाता है और यह सुनिश्चित करता है कि इसे जोर से दबाया नहीं जाए क्योंकि यह मस्तिष्क में रक्त के प्रवाह को अवरुद्ध हो जाता है। नाड़ी लेते समय, निम्नलिखित चरणों का पालन करना चाहिए :

- पहली और दूसरी अंगुलियों का उपयोग करके धमनियों पर दृढ़ता से दबाएं जब तक आप नाड़ी महसूस नहीं करते हैं।
- 60 सेकंड (या 15 सेकंड के लिए, और फिर, प्रति मिनट बीट्स की गणना करने के लिए चार से गुणा करें) पल्स की गणना करें।
- गिनती करते समय, समय की बजाय नाड़ी की धड़कनों पर ध्यान केंद्रित करें।

सांस चलने की दर (**Respiration rate**)

श्वसन दर सांसों (या सीने के उठने की गति) की संख्या को इंगित करती है जब कोई व्यक्ति प्रति मिनट सांस लेता है जब वह आराम

कर रहा होता है। श्वसन की दर अलग अलग स्थितियों में भिन्न हो सकती है, जैसे बुखार, बीमारी और अन्य चिकित्सा स्थितियां। श्वसन दर की जांच करते समय, यह भी ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि व्यक्ति को सांस लेने में कोई कठिनाई है या नहीं। एक वयस्क के लिए सामान्य श्वसन दर 12 से 16 सांस प्रति मिनट तक होती है।

रक्तचाप (Blood pressure)

रक्तचाप या ब्लड प्रेशर धमनी की दीवारों के माध्यम से हृदय द्वारा पंप किए जाने वाले रक्त के प्रवाह को मापना होता है। हर बार जब हृदय धड़कता है, तो यह हृदय के सिकुड़ने के रूप में रक्तचाप का उच्चतम परिणाम मिलता है। रक्तचाप को मापने के दौरान दो नंबर दर्ज किए जाते हैं – 'सिस्टोलिक प्रेशर', धमनी के अंदर का दबाव जब हृदय सिकुड़ता है और शरीर के माध्यम से रक्त पंप करता है, और 'डायस्टोलिक प्रेशर', हृदय के आराम करने पर धमनियों का रक्तचाप रिकॉर्ड होता है। 'स्फिग्मोमेनो–मीटर' का उपयोग करके रक्तचाप को मापा जाता है। तीन प्रकार के स्फिग्मोमेनो–मीटर का उपयोग किया जाता है – पारा, एनेरोइड और डिजिटल। सिस्टोलिक और डायस्टोलिक दोनों दबावों को 'मिमी एचजी' (पारा के मिलीमीटर) के रूप में दर्ज किया जाता है। यह यूनिट पुराने जमाने के मैनुअल ब्लड प्रेशर डिवाइस (जिसे 'पारा मैनोमीटर' कहा जाता है) में ट्यूब के साथ पारे के ऊपर बढ़ने के आधार पर उपयोग किया जाता था। वयस्कों के लिए उच्च रक्तचाप 140 मिमी एचजी या अधिक सिस्टोलिक दबाव और 90 मिमी एचजी या अधिक डायस्टोलिक दबाव माना जाता है। उच्च रक्तचाप या उच्च रक्तचाप हृदय रोग (दिल का दौरा) और स्ट्रोक के लिए पहचाने जाने वाले जोखिमों में से एक है।

चित्र 2.5 एक रोगी के रक्तचाप को मापना

रक्तचाप की माप के लिए तैयारी (Preparation for blood pressure measurement)

- इससे पहले कि आप रक्तचाप लेना शुरू करें, मरीज को बिना बात किए 3–5 मिनट आराम करने के लिए कहें।
- रोगी को एक आरामदायक कुर्सी पर बैठा दें, पीठ को सहारा दें और पैरों और टखनों को बिना क्रॉस किए बिठाएं।
- रोगी के हाथ को कोहनी पर मोड़ा जाना चाहिए और हृदय के साथ इसका स्तर बढ़ाने के लिए एक मेज पर रखा जाना चाहिए।
- एंटीक्यूबिटल फोसा के ऊपर हाथ के ऊपरी हिस्से के चारों ओर कफ लपेटें। कफ को कसकर लपेटा जाना चाहिए, जिससे एक अंगुली उसके नीचे जा सके।
- सुनिश्चित करें कि कफ के नीचे का किनारा कोहनी में क्रीज से कम से कम एक इंच ऊपर है।

टिप्पणी

- ब्लड प्रेशर रीडिंग लेते समय, रीडिंग के साथ–साथ तारीख और समय रिकॉर्ड करना जरूरी है।

महत्वपूर्ण संकेत	उच्च	कम
तापमान	हाइपरथर्मिया	हाइपोथर्मिया
पल्स	टैचीकार्डिया	ब्रैडीकार्डिया
श्वसन	तचीपनोआ	ब्रैडीपोनोआ
रक्तचाप	उच्च रक्तचाप	हाइपोटेंशन

प्रायोगिक अभ्यास

नजदीकी अस्पताल में जाएं और रोगियों के महत्वपूर्ण संकेतों को मापने के लिए अपनाई गई प्रक्रियाओं का पालन करें। नीचे दी गई तालिका में दिए गए अनुसार किसी भी पांच रोगियों के लिए आवश्यक जानकारी भरें।

रोगी का नाम / कोड सं	तापमान	पल्स	श्वसन	रक्तचाप

गतिविधि

विभिन्न प्रकार के थर्मामीटर और बीपी (रक्तचाप) तंत्र की एक सूची तैयार करें और उनके कार्यों की पहचान करें।

अपनी प्रगति जांचें

क. रिक्त स्थान भरें

1. शरीर का सामान्य तापमान .... है।
2. नाड़ी और रक्तचाप .... कार्य से संबंधित हैं।
3. श्वसन दर .... एक व्यक्ति प्रति मिनट लेता है।
4. रक्तचाप को मापने के दौरान दर्ज किए गए दो नंबर .... और .... हैं।

ख. लघु उत्तर प्रश्न

1. मानव शरीर के महत्वपूर्ण संकेत क्या हैं?
2. मानव शरीर के महत्वपूर्ण संकेतों की सूची बनाएं।
3. तापमान और नाड़ी को मापने की प्रक्रिया के बारे में बताएं।

सत्र 3 : रोगी की जांच में सहायता करना (Assisting in the Examination of Patient)

इस सत्र में, आप रोगियों की विभिन्न चिकित्सा परीक्षाओं, अर्थात, आंख, कान, नाक, गला, गर्दन, छाती, आदि के दौरान एक जनरल ड्यूटी सहायक द्वारा प्रदान की गई सहायता के बारे में जानेंगे।

ऊंचाई और वजन को मापना (Measuring height and weight)

एक ऐसे बच्चे की लंबाई को मापने के लिए, जो खड़े नहीं हो सकते हैं, उसे एक सीधी खड़ी स्थिति में घुटनों के साथ बढ़ाकर एक कठोर सतह पर बिठाया जाना चाहिए। स्केल को पैरों के तलवों से सिर के ऊपर तक ले जाया जाता है। सिर ऐसी स्थिति में होना चाहिए कि आंखें छत की ओर देखें। एक बच्चे को खड़ा करने में सक्षम होने के बाद, ऊंचाई को मापा जा सकता है। यदि बच्चा दीवार के विपरीत ऊंची एड़ी के जूते, पीठ और हैड पर खड़ा है, तो सिर के ऊपर से दीवार तक लगाया गया एक छोटा फ्लैट बोर्ड ऊंचाई का एक सटीक माप देगा, जो फर्श से बोर्ड तक की दूरी है। जो खड़े हो सकते हैं, ऐसे एक व्यक्ति का वजन आम तौर पर, एक खड़े स्केल द्वारा मापा जाता है। व्यक्ति एक मंच पर खड़ा होता है और वजन पर ध्यान दिया जाता है। आम तौर पर, जूते के बिना वजन लिया जाता है। एक बच्चे के वजन को रिकॉर्ड करने के लिए, एक कंटेनर के साथ एक वजन मापने के स्केल या तराजू पर बच्चे को रखा जा सकता है और इसका उपयोग किया जाता है। बच्चे के कपड़े हटा दिए जाने चाहिए या कपड़े को अलग से तौलना चाहिए, और बाद में, इसका वजन कुल वजन से घटाया जा सकता है।

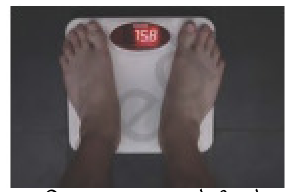

चित्र 2.6 एक रोगी के वजन का मापन

खोपड़ी की परिधि को मापना (Measuring skull circumference)

खोपड़ी को आंखों के ऊपर से ओक्सीपिटल प्रोट्यूबेंस तक मापा जाता है, जहां व्यास अधिकतम है।

आँखों की जांच (Examination of the eyes)

आंखों की जांच लेटने या बैठने की स्थिति में की जाती है। नेत्र रोग विशेषज्ञ एक हैड मिरर का उपयोग करता है जो रोगी के चेहरे पर प्रकाश को डालता है। पहली जांच आंखों की गति और प्रकाश की प्रतिक्रिया को निर्धारित करने के लिए की जाती है। आंखों के आंतरिक हिस्सों की विस्तृत जांच के लिए, एक ऑफ्थेलमोस्कोप का उपयोग किया जाता है।

चित्र 2.7 एक रोगी की आंख का परीक्षण

कानों की जांच (Examination of the ears)

रोगी के लेटने या बैठने की स्थिति में कान को ईएनटी विशेषज्ञ की ओर रखा जा सकता है।

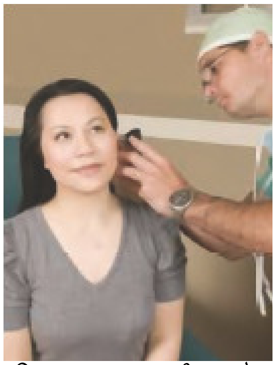

चित्र 2.8 एक मरीज के कान की जांच

कान की जांच के लिए उपयोग किए जाने वाले उपकरण एक हेड मिरर, विभिन्न आकारों के कान के स्पेक्युलम, कॉटन–टिप वाले एप्लिकेटर और ऑटो–स्कोप होते हैं। 'ट्यूनिंग फॉर्क परीक्षण' सुनने की जांच के लिए मूल परीक्षण है। एक व्यक्ति को सावधानीपूर्वक जांच करने की आवश्यकता होती है और तदनुसार सलाह दी जा सकती है। एक बच्चे को उसके माता–पिता या अभिभावक की गोद में बैठाया जाता है और उसके पैर उसके माता–पिता या अभिभावक के घुटनों और पीठ के पीछे हाथों के बीच रखे जाते हैं। बच्चे का सिर माता–पिता या अभिभावक के सीने के विपरीत होता है। शिशुओं को जांच की मेज पर लेटाया जा सकता है।

नाक, गले और मुंह की जांच (Examination of the nose, throat and mouth)

रोगी को कुर्सी के पीछे आराम करने वाले सिर के साथ बैठाया जाता है। गले की जांच के लिए एक जीभ डिप्रेसर और पर्याप्त प्रकाश की आवश्यकता होती है। नाक की जांच के लिए एक नाक के नमूने और एक हेड मिरर की आवश्यकता होती है। कभी–कभी, ऑटो–स्कोप का भी उपयोग किया जाता है।

गर्दन की जांच (Examination of the neck)

गर्दन को लिम्फ नोड्स की जांच के लिए उभारा जाता है। थायरॉयड ग्रंथियों का आकलन करने के लिए, रोगी को लार को निगलने के लिए कहा जाता है।

सीने की जांच (Examination of the chest)

चित्र 2.9 बच्चे की छाती की जांच

एक रोगी को आड़ी आवर्ती स्थिति में रखकर सीने के अगले हिस्से की जांच की जाती है। सीने की जांच करने के विभिन्न तरीके हैं। तरल या रुकावट वाले हिस्सों की उपस्थिति का निर्धारण करने के लिए पर्क्यूशन विधि का उपयोग किया जाता है। एक चिकित्सक सीने में सांस लेने की आवाज़ सुनने के लिए स्टेथोस्कोप का भी उपयोग करता है। रोगी को सीने के पीछे की ओर जांच करने के लिए बैठने की स्थिति में रखा जाता है। हृदय और फेफड़ों की जांच पर्क्यूशन और सुनने की क्रिया द्वारा की जाती है।

पेट की जांच (Examination of the abdomen)

पेट की जांच के लिए एक मरीज को चित्त लेटी हुई स्थिति में रखा जाता है और पेट की मांसपेशियों को आराम करने के लिए घुटनों को थोड़ा लचीला किया जाता है।

उदर का निरीक्षण, पैल्पेट किया जाता है और असामान्यता का पता लगाने के लिए परक्युशन किया जाता है, यदि कोई हो।

टिप्पणी

पैरों की परीक्षा (हाथ और पैर) (Examination of extremities (arms and legs))

हाथ और पैरों का निरीक्षण किया जाता है, विभिन्न तलों में पैल्पेट किया जाता है और स्थानांतरित किया जाता है। एडिमा (तरल का जमाव) टखने की मांसपेशियों के ऊपर पैर के पीछे के भाग पर हड्डी और वैरिकाज़ नसों के विपरीत दिशा में त्वचा को दबाकर टखने के जोड़ में देखी जा सकती है। गति का आकलन करने के लिए जोड़ों को सभी दिशाओं में स्थानांतरित किया जाता है।

रीढ़ की जांच (Examination of the spine)

असामान्य वक्रता के लिए रोगी को खड़े स्थिति में रखकर रीढ़ की जांच की जाती है। एक नवजात शिशु में स्पाइना बाइफिडा (एक जन्म दोष जिसमें बच्चे की रीढ़ की हड्डी ठीक से विकसित नहीं हो पाती है) का पता लगाने के लिए अंगुलियों को रीढ़ की हड्डी के ऊपर ले जाया जाता है।

मलाशय की जांच (Examination of the rectum)

मलाशय और गुदा की जांच के लिए, रोगी को एक चित्त अवस्था लेटा हुआ या बाएं तरफ करवट की स्थिति में रखा जाता है। गुदा बवासीर, फोड़ों या दरारों को देखा जाता है। रोगी को नीचे झुकने के लिए कहा जाता है ताकि यह देखने के लिए कि क्या कोई आंतरिक बवासीर है। मलाशय की जांच करने के लिए, एक साफ दस्ताने (फिंगर कोट), प्रोक्टोस्कोप, लुब्रीकेंट और पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था आवश्यक है।

प्रायोगिक अभ्यास

नजदीकी अस्पताल में जाएं और निम्नलिखित जांच करने वाले डॉक्टर का निरीक्षण करें :

विवरण	अवलोकन
ऊंचाई	
वजन	
आंख	
कान	
नाक	
गला	
गर्दन	
सीना	
पेट	
हाथ	
पैर	
रीढ़ की हड्डी	

टिप्पणी

अपनी प्रगति जांचें

क. रिक्त स्थान भरें

1. एक बच्चे की लंबाई को मापने के लिए, जो खड़े नहीं हो सकते हैं, माप पैर के एकमात्र से सिर के .... तक लिया जाता है।
2. खोपड़ी की परिधि को आंखों के ऊपर से .... प्रोट्यूबरेंस तक के व्यास पर मान करके मापा जाता है।
3. एक विस्तृत आंतरिक नेत्र परीक्षा के लिए, एक .... का उपयोग किया जाता है।

4. सुनने के परीक्षण के लिए प्रयुक्त मूल उपकरण .... है।
5. पेट की जांच तब की जाती है जब एक रोगी .... लेटी हुई स्थिति में होता है और पेट की मांसपेशियों की छूट को बढ़ावा देने के लिए घुटनों को थोड़ा मोड़ा जाता है।
6. सीने के अगले हिस्से की जांच करते समय, रोगी को .... लेटी हुई स्थिति में रखा जाता है।
7. एक व्यक्ति का वजन, जो खड़ा हो सकता है, आम तौर पर, ... स्केल से मापा जाता है और वजन .... के बिना लिया जाता है।
8. खड़े होने की स्थिति में रीढ़ की जांच .... के लिए की जाती है।

ग. लघु उत्तर प्रश्न

1. कानों की जांच की प्रक्रिया क्या है?
2. पेट परीक्षा में प्रयुक्त भौतिक मूल्यांकन की तकनीकें क्या हैं?
3. सीने के परीक्षण के लिए किस तकनीक का उपयोग किया जाता है?
4. किसी व्यक्ति की ऊंचाई और वजन की जांच करते समय क्या सावधानियां बरतनी चाहिए?

ख. कॉलम का मिलान करें

अंगों की जांच	**परीक्षा की स्थिति**	
1. आँख	(क) स्थायी स्थिति	
2. रीढ़	(ख) कुर्सी पर आराम से टिका सिर	
3 नाक, गला, मुंह	(ग) लेटने या बैठने की स्थिति	
4. पेट	(ङ) चित्त सीधे लेटना	